जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

11 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

यूपीएससी पर्सनैलिटी टेस्ट की तैयारी के लिए, जामिया की आरसीए के छात्रों के लिए वर्चुअल मॉक इंटरव्यू का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की रेज़िडेन्शल कोचिंग अकैडमी (आरसीए), अपने यहां के रजिस्टर्ड उन छात्रों के लिए वर्चुअल मॉक इंटरव्यू आयोजित कर रही है, जिनके यूपीएससी साक्षात्कार की तारीखों को कोविड-19 की वजह से पुनर्निर्धारित किया गया है। आरसीए के 60 छात्र यूपीएससी मेन्स एक्ज़ाम -2019 में कामयाब हुए हैं और उनमें से 48 पहले ही आयोग द्वारा आयोजित पर्सनैलिटी टेस्ट / इंटरव्यू दे चुके हैं। कोविड-19 से उपजे हालात के चलते, तारीखों का पुनर्निधारण होने के कारण, बाक़ी 12 उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए उपस्थित नहीं हो सके। इनके पर्सनैलिटी टेस्ट / इंटरव्यू 20 से 29 जुलाई, 2020 के बीच होंगे।

वर्चुअल मॉक इंटरव्यू के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर छात्रों की तैयारी में मदद के लिए बने पैनल में, प्रमुख सिविल सेवक और शिक्षाविद शामिल हैं। वे यूपीएससी पर्सनैलिटी टेस्ट / इंटरव्यू का आत्मविश्वास से सामना करने में मदद करने के लिए, आरसीए में तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को बहुमूल्य सुझाव और सलाह दे रहे हैं।

इस पैनल के सदस्यों में श्री सिराज हुसैन आईएएस (आर), श्री शारदा प्रसाद आईपीएस (आर), सुश्री राशेदा हुसैन आईआरएस, श्री इंद्रवीर यादव आईएएस (आर), श्री महेश मिश्रा आईपीएस (आर), श्री एसएस खान आईआरएस (आर), श्री जावेद अहमद आईपीएस (आर), श्री खुर्शीद गनाई आईएएस (आर), श्री विवेक काटजू आईएफएस (आर) और प्रो यू एम अमीन शामिल हैं।

जामिया की कुलपति, प्रो नजमा अख्तर व्यक्तिगत रूप से मॉक इंटरव्यू की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने पैनल के सदस्यों को संबोधित किया और उन्हें जामिया-आरसीए के सफल प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने पैनल के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय देने और छात्रों को बहुमूल्य सुझाव देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आरसीए के आनरेरी डायरेक्टर, श्री तनवीर ज़फ़र अली और डिप्टी डायरेक्टर मुहम्मद तारिक़ के प्रयासों की भी सराहना की।

आरसीए, जामिया के चैबीस छात्रों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के लिए भी क्वालिफाई किया है, जिसके इंटरव्यू 15 जुलाई, 2020 से शुरू होने वाले हैं। आरसीए उनके लिए इसी पैनल के साथ वर्चुअल मॉक इंटरव्यू कराएगा। आरसीए, जामिया के 14 छात्र हाल ही में जम्मू-कश्मीर पीएससी परीक्षा में सलेक्ट हुए।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आरसीए की स्थापना 2010 में यूजीसी द्वारा सेंटर फॉर कोचिंग एंड कैरियर प्लानिंग (सीसी एंड सीपी) के तहत हुई थी। इसका मकसद एससी, एसटी, महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों को सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए, मुफ्त कोचिंग और

आवासीय व्यवस्था मुहैया कराना है। आरसीए, जामिया ने संतोषजनक काम किया है और देश भर में नाम कमाया है। इसकी सफलता के कारकों में प्रतिस्पर्धी माहौल, पेशेवर शिक्षक, जामिया के सर्वोच्च अधिकारियों का समर्थन, कड़ी प्रवेश परीक्षा और नियमित कक्षाएं जैसे कारण शामिल हैं।

जामिया आरसीए से कोचिंग पाने वाने तक़रीबन 240 छात्र, वर्ष 2010-11 से लेकर 2018 तक भारतीय सिविल सेवा में शामिल हो चुके हैं, जिनमें कई आईएएस, आईएफएस और आईपीएस हैं। इसके अलावा, 250 से अधिक छात्रों को विभिन्न अन्य केंद्रीय और राज्य सेवाओं जैसे, सीएपीएफ, आईबी, आरबीआई (ग्रेड बी), एपीएफ, बैंक पीओ और पीसीएस वगैरहा के लिए चुना गया है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक